DATE 6.5.24
PAGE No. 1

टैंडर हार्ट हाई स्कूल सैक्टर 33-बी, चण्डीगढ़

कक्षा- आठवीं अध्यापिका - श्रीमती सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य

शेष भाग

पुस्तक - नवतरंग भाग-8

पाठ-3 'समय की सुरंग' लेखक - एच. जी. वेल्स
पाठ का शेष भाग कक्षा - 8

सुप्रभात प्यारे बच्चो! कक्षा-8

पिछले सप्ताह आपने 'समय की सुरंग' का कुछ भाग पढ़ा था। आशा है, आप सबको पढ़ाया गया पाठ समझ में आ गया होगा। अब हम पाठ को आगे बढ़ाते हुए पाठ-3 का शेष भाग (पृष्ठ 21, 22, एवं 23) को पढ़ेंगे और समझेंगे।

लेखक को विश्वास हो गया कि उनका कालयंत्र उन्हीं मारलॉक लोगों ने छिपाया है। फिर लेखक ने तय किया कि एक दिन इसी कुएँ के भीतर उतर कर वह इन लोगों का पता लगाएगा। धरती के नीचे उतरते ही अँधेरा होने के कारण कालयात्री ने माचिस की तीली को जलाया। उसे वहाँ एक सुरंग दिखाई दी। वह सुरंग की ओर बढ़ा। उसे मशीनों के चलने की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। कालयात्री उसी ओर बढ़ रहा था। माचिस की तीली के बुझते ही अंधकार में वे सब कालयात्री पर टूट पड़े। मौका पाते ही उसने माचिस की तीली जला दी। वे चीखते हुए पीछे हट गए। कालयात्री जल्दी से कुएँ की सीढ़ियों के सहारे बाहर आ गया। अब वह इस खतरे से बाहर था। चारों ओर दिन का प्रकाश था। प्रकाश में मारलॉक निकल नहीं सकते थे।

कालयात्री अपने कालयंत्र की खोज में लगा रहता था। एक दिन जंगल में घूमते-घूमते उसे एक नीले रंग की इमारत

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

DATE 6.5.24
PAGE No. 2

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - श्रीमती सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-3)

दिखाई दी और वह वीणा को साथ लेकर उस इमारत की ओर चल दिया। वहाँ पहुँचने पर पता चला कि वह नीली इमारत एक पुरातत्व संग्रहालय की थी। जहाँ काँच की पेटी में उसके अपने ज़माने की वस्तुएँ रखी थीं। बच्चो! यहाँ आपसे मैं अब कुछ प्रश्न पूछूँगी, उन प्रश्नों का उत्तर आप अपनी पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न 1. कालयात्री ने कहाँ जाकर क्या देखने का निश्चय किया?
प्रश्न 2. कालयात्री ने माचिस की तीली क्यों जलाई?
प्रश्न 3. वीणा को साथ लेकर वह कहाँ गया?

अब मैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर बताने जा रही हूँ। इन प्रश्नोत्तर को आप अपनी पुस्तिका में लिखेंगे साथ ही याद भी करेंगे।

उत्तर 1. कालयात्री ने कुएँ के भीतर जाकर मारलॉक लोगों की दुनिया देखने का निश्चय किया।
उत्तर 2. धरती के नीचे उतरते ही अँधेरा होने के कारण कालयात्री ने माचिस की तीली को जलाया।
उत्तर 3. वीणा को साथ लेकर कालयात्री एक नीले रंग की इमारत में गया।

बच्चो! अब हम पाठ को आगे पढ़ते और पढ़ाते हैं। सभी बच्चे एकाग्रचित्त होकर पाठ को पढ़ेंगे व समझेंगे।

कालयात्री ने देखा कि काँच की उस पेटी में एक माचिस की डिब्बी रखी हुई थी। उसने काँच तोड़कर माचिस, कपूर उठाया और साथ में एक लोहे का डंडा भी ले लिया। शाम ढलते ही वह वीणा के साथ इमारत से बाहर आ गया। वीणा अँधेरा होने से डर रही थी इसलिए

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

6.5.24

DATE
PAGE No. 3

कक्षा - आठवीं अध्यापिका - श्रीमती सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-3)

कालयात्री ने सूखी घास इकट्ठी करके एक मशाल-सी बनाकर उसमें आग लगा दी। आग देख वीणा प्रसन्नता से ताली बजाने लगी। आगे बढ़ते हुए अचानक आग के बुझते ही जब अंधकार हो गया तब मारलॉक लोगों ने कालयात्री और वीणा को घेर लिया। उन्हें पास देखकर वीणा बेहोश हो गई। कालयात्री ने साहस बटोरकर वीणा को अपने कंधे पर उठाया और एक हाथ से लौहे का डंडा घुमाता हुआ आगे बढ़ने लगा। अवसर पाते ही उसने माचिस की तीली जला दी। उसकी रोशनी देखते ही मारलॉक भाग गए परन्तु तीली बुझते ही वे कालयात्री पर टूट पड़े। उन्होंने कालयात्री के बाल पकड़कर उसे खींचने की कोशिश की। तभी उन्हें जंगल में आग जलती दिखाई दी। आग देखते ही वे लोग भाग गए। इसी भाग-दौड़ में वीणा कालयात्री से बिछुड़ गई। कालयात्री ने उसे बहुत ढूँढ़ा परन्तु वीणा कहीं न मिली। हारकर वह पंखदार मूर्ति के पास पहुँचा। उसने देखा कि एक चबूतरे का दरवाज़ा खुला है। दरवाज़े के भीतर अपने कालयंत्र को देखकर वह हैरान हो गया। यह न जानते हुए कि मारलॉक लोगों की यह चाल है, झट से वह अपने कालयंत्र के पास पहुँच गया तभी मारलॉक लोगों ने चतुराई से चबूतरे के दरवाज़े को बंद कर दिया। कालयात्री जल्दी से अपने कालयंत्र पर बैठ गया। मारलॉक लेखक का इरादा समझ गए इसलिए उन्होंने उसे रोकने की कोशिश की। कालयात्री ने पूरी शक्ति के साथ कालयंत्र का हैंडल खींच दिया। कालयंत्र के चलते ही वे लोग पीछे हट गए। घड़ी की सुइयाँ अब पीछे की ओर घूमने लगीं। कालयात्री ने जब आज की तिथि आई देखी अर्थात उसने अपने आप को आज की तिथि में पाया। तभी उसने कालयंत्र को बंद कर दिया। अब कालयात्री सबके सामने था। कालयात्री ने जब अपने मित्रों को दूसरे

(पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

DATE 6.5.24
PAGE No. 4

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - श्रीमती सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-3)

ग्रह में जाने की सारी बात बताई तो उन्हें कालयात्री की बात पर विश्वास न हुआ। कालयात्री ने उन्हें वीणा के दिए विचित्र फूल दिखाए, वे आश्चर्यचकित थे तथा हैरानी से मुसकराते हुए कालयात्री को देख रहे थे।

बच्चो! अब यह पाठ यहाँ समाप्त हुआ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ मैं अब बताने जा रही हूँ।

शब्दार्थ :— (1) संकेत - इशारा (2) पात्र - बरतन (3) धैर्य - धीरज (4) उत्सुकता - अधीरता, बेचैनी (5) किलकारी - हर्षध्वनि (6) खंडहर - टूटी-फूटी इमारत (7) ठोंका - प्रहार किया (8) निर्णय - फैसला (9) अनुभव - तजुर्बा (10) विचित्र - अनोखा, अद्भुत (11) लपककर - तीव्रता से आगे बढ़ना (12) जगत - कुएँ के ऊपर चारों तरफ़ बनी दीवार (13) निश्चय - इरादा (14) धरातल - धरती (15) आशंका - संदेह, शंका, अंदेशा (16) उधेड़बुन - निरंतर विचार, ऊहापोह (17) पुरातत्व - प्राचीन अनुसंधान (18) संग्रहालय - संग्रह करने का स्थान (19) निश्चिंत - बेफिक्र (20) निरीक्षण - पथ-प्रदर्शन, देखना, गौर करना (21) अविश्वसनीय - जो विश्वास के योग्य न हो (22) आश्चर्य - हैरानी।

निर्देश :— सभी विद्यार्थी इस पाठ को रुचि के साथ अपनी सुविधानुसार पढ़ेंगे क्योंकि प्रत्येक विद्यार्थी या मनुष्य के लिए स्वाध्याय अति आवश्यक है। कठिन शब्दों के अर्थ को ध्यान में रखते हुए पाठ को पढ़ें व समझें। अब मैं आपको गृहकार्य करने को दे रही हूँ।

गृहकार्य :—

सब बच्चे पाठ-3 को अच्छी तरह से पढ़ेंगे और पृष्ठ-23 पर आए कुछ शब्दार्थ को भी अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे साथ ही याद भी करेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner